Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

पंडित प्रतीक चौधुरी: व्यक्तित्व एवं सांगीतिक योगदान

KRISHAN SINGH[1], DR. RAMANDEEP KAUR[2], RAJVIR KAUR[3] & KULDEEP KAUR[4]

[1]Ph.D Research Scholar, Department of Music Guru Nanak Dev University Amritsar.
[2]Assistant Professor department of music Guru Nanak Dev University Amritsar
[3]Ph.D Research Scholar, Department of Music Guru Nanak Dev University Amritsar.
[4]Ph.D Research Scholar, Department of Music Guru Nanak Dev University Amritsar.

सार

वादन संगीत की परम्परा में अनेकों वाद्यों का प्रचलन समय के विकास काल क्रम अनुसार होता आया है। इसी श्रृंखला में सितार वाद्य विभिन्न विकासात्मक परिवर्तनों एवं प्रयोगों के साथ भारतीय संगीत में समाहित हुआ। सितार भारतीय शास्त्रीय संगीत का सर्वाधिक प्रसिद्ध तंत्री वाद्य है। संपूर्ण विश्व में सितार वाद्य ने अपना वर्चस्व एवं अधिपत्य स्थापित किया है। सितार की विकासधारा में पंडित प्रतीक चौधुरी का नाम उत्कृष्ट सितार वादकों की श्रेणी में शुमार है। वर्तमान काल में सितार वादन के मुख्य पाँच घराने है यथाः सेनिया घराना, इटावा घराना, मैहर घराना, इंदौर घराना, विष्णुपुर घराना। सितार की विकास श्रृंखला के परिप्रेक्ष्य में तानसेन उनके पुत्र शिष्य एवं अन्य अनुयायियों द्वारा वाद्य संगीत में सर्वप्रथम सेनिया घराने का नाम विख्यात हुआ। इनके वंशज मुख्यतः दो सम्प्रदायों में विकसित हुए जिन्हें रबाबी तथा बीनकार कहते हैं। सेनिया घराने का प्रतिनिधित्व करने वाले पंडित प्रतीक चौधुरी, पंडित देबु चौधुरी जी के सुपुत्र हैं। पंडित प्रतीक चौधुरी की पहचान भारत के उत्कृष्ट सितार वादकों में से एक है, जिनका सितार वादन विशुद्ध घरानेदार से परिपूर्ण, तकनीकी कौशल-ए-कला पक्ष का सौन्दर्य एवं रसात्मक भावपक्ष के दुर्लभ संयोजन का अद्वितीय संयोजन व सांमजस्य के साथ चमकता है। उनका संगीत सितार के शाश्वत सार को भी दर्शाता है। पंडित प्रतीक चौधुरी जी ने 17 पर्दों का सितार बजाकर सेनिया घराने का पूर्ण प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने विश्वभर के देशों में सितार वादन प्रस्तुत कर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का ख़ूब प्रचार किया। उनकी वादन शैली की विलक्षणताओं के कारण उन्हें सितार में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत सारे सम्मान प्राप्त हुए हैं।

मुख्य शब्द -पं. प्रतीक चौधुरी, सितार, पंडित देबू चौधुरी, घराना, संगीत, वादन।

भूमिका

संगीत सम्पूर्ण विश्व की समस्त सभ्यताओं का अभिन्न अंग रहा है। भारत में अनादि काल से ही संगीत की अविरलधारा विभिन्न रूपों में प्रवाहित रही है। संगीत गायन, वादन एवं नृत्य की त्रिवेणी है। इस संदर्भ में वादन भारतीय संगीत का एक अभिवाज्य अंग है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में घराना पद्धति प्राचीन है। तानसेन की वंश परम्परा जयपुर सेनिया घराना से जुड़ी हैं। मियां तानसेन के वंशजों से ही 'सेनिया' नाम का जन्म हुआ। तानसेन के पुत्र सूरतसेन के वंशज प्रसिद्ध सितार वादक मसीत खां के वंशज जयपुर जाकर रहने लगे तथा बाद में सेनिया वंश के रूप में जाने गए। सेनिया घराने के मसीत खां ने सितार की नवीन वादन शैली का निर्माण किया, जो वर्तमान समय में भी प्रचलित है और 'मसीतखानी बाज' के नाम से प्रसिद्ध है। इन्हीं के शिष्य गुलाम रज़ा खां ने 'द्रुत गत शैली' का निर्माण किया, जिसे रज़ाखानी गतों के नाम से प्रसिद्धि मिली। निर्मलशाह ने ध्रुपद की प्राचीन पद्धति पर अपने सितार वादन का निर्धारण किया था। अमृतसेन ने अपने पिता रहीम सेन से सितार वादन की शिक्षा प्राप्त की तथा ध्रुपद अंग पर आधारित सितार वादन की शैली को जन्म दिया। निहाल सेन ने अपने पिता अमृतसेन से सितार की शिक्षा प्राप्त की, जिन्हें उस समय के अद्वितीय कलाकारों में से एक माना जाता था। अमृतसेन के भांजे अमीर खां ने भी उनसे सितार की शिक्षा ग्रहण की। मैसूर के बरकतउल्ला अमीर खां के शिष्य थे जो अपने समय के महान सितार वादक हुए। बरकतउल्ला ने अपने सितार वादन में मसीतखानी और रज़ाखानी दोनों बाज का अपूर्व मिश्रण किया तथा उनकी इसी विशेषता के कारण परवर्ती सितार वादकों ने वादन की इन दोनों शैलियों मसीतखानी तथा रज़ाखानी को अपने वादन में अपनाने का प्रयत्न किया।

बरकतउल्ला ने आशिक अली खां को सितार वादन की शिक्षा दी। आशिक अली खां ने अपने पुत्र उस्ताद मुश्ताक अली खां को सितार वादन की शिक्षा दी। आधुनिक समय में सेनियों का प्रतिनिधित्व करते हुए मुश्ताक अली खां ने इस बाज को प्रसिद्धि की चरम सीमा तक पहुंचाया। उनके शिष्य पण्डित देवव्रत (देबू) चौधुरी, उनके शिष्यों एवं उनके सुपुत्र पंडित प्रतीक चौधुरी ने जयपुर

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

सेनिया घराना की सुदृढ़ परंपरा को सजाने में अपनी विशिष्ट भूमिका का निर्वाह किया है। पण्डित देवव्रत (देबू) चौधुरी एवं पंडित प्रतीक चौधुरी के आकस्मित निधन के पश्चात पंडित देबू चौधुरी के शिष्य, शिष्याएं एवं इनके पौत्र अधिराज इस परंपरा को आगे उन्नत कर रहे हैं।

जन्म और संगीत शिक्षा

पण्डित प्रतीक चौधुरी का जन्म 7 सितम्बर सन् 1971 को दिल्ली में पिता पदम भूषण पंडित देबू चौधुरी के घर हुआ।1 बाल्यकाल से ही घर में सांगीतिक माहौल रहा। आपको अपने पिता एवं उनके गुरु उस्ताद मुश्ताक अली खां साहब सेनिया परम्परा की महान विभूतियों से सितार सीखने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। सेनिया घराने का नाम भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रमुख 'मियां तानसेन' के नाम पर रखा गया। पंडित प्रतीक चौधुरी महान भारतीय शास्त्रीय संगीत की इस दुर्लभ 'सेनिया' परंपरा के स्वतः उतराधिकारी थे। इस घराने में पारंपरिक और दुर्लभ 17 फ्रेटस (वर्तमान में पाए जाने वाले 19, 20 या 21 फ्रेटस की बजाय) के साथ सितार बजाने की अनूठी परम्परा है। प्रतीक चौधुरी ने अपने विद्यार्थी काल के प्रत्येक चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में एम. ए. (संगीत) के लिए 'स्वर्ण पदक', 'मास्टर ऑफ फिलॉसफी' में प्रथम स्थान तथा 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' की उपाधि प्राप्त की।

"Pandit Prateek Chaudhuri son of Padmabhushan Pandit Debu Chaudhuri, was an eminent Indian classical sitarist of the Senia Gharana (school) and graded as a "Top Class" Artist of India by the Radio & National Television, Government of India. He was also associated as a Professor with the Faculty of Music, University of Delhi, India."[2] हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में अपना योगदान देते हुए पण्डित प्रतीक चौधुरी की 4 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है।

- Plucked Instruments of Northern India with Special Reference to Sitar, ISBN 9788174531735, Sanjay Prakashan-2005, New Delhi, India.
- Indian Music. ISBN 9788174530202, Sanjay Prakashan-2005, New Delhi, India.
- North Indian instrumental Music Ragas (for high studies). ISBN 9788174533777, Sanjay Prakashan, 2017, New Delhi, India.
- Popular Ragas & it's Compositions (In Hindustani instrumental Music), 9788174533029, Sanjay Prakashan, 2017, New Delhi, India."[3]

एक व्यावसायिक सितार वादक के रूप में

पं. जी ने सन् 2012 में भारतीय संसद के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सेन्ट्रल हाल में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम (जिसमें भारत के महामहिम राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा के अध्यक्ष, भारतीय संसद के पूरे लोकसभा और राज्यसभा सदस्य इत्यादि) में शामिल थे, वहां सितार वादन की प्रस्तुति देने का अवसर मिला। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति 'श्री बिल किंलटन' को उनकी पहली भारत यात्रा के दौरान भारत के राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम और श्री आर. वेंकटरमन ने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में सितार की प्रस्तुति देने के लिए पं. जी को सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने सन् 2005 में अपनी भारतीय यात्रा के दौरान नार्वे के प्रधानमंत्री के समक्ष अमेरिका में प्रतिष्ठित कार्नेगी हॉल में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनके प्रति भारत के राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल द्वारा आयोजित संगीत कार्यक्रम 'स्वारोदस्की म्यूजिक वाटैस' जिसमें 80 संगीतकार

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

शामिल थे, आर्केस्ट्रा प्रस्तुत किया। इसके साथ-साथ 'जयपुर इंटरनेशनल हेरिटेज, दिल्ली में सहिष्णुता दिवस, कोलकाता, दिल्ली और हैदराबाद में आईटीसी संगीत समारोह, ग्वालियर और दिल्ली में तानसेन संगीत समारोह, मैहर महोत्सव, पूना में सवाई गांधर्व संगीत समारोह, अहमदाबाद में सप्तक संगीत समारोह, वाराणसी में संकटमोचन महोत्सव, दिल्ली में पंडित विष्णु दिगम्बर जयंति, जालंधर में श्री बाबा हरिवल्लभ संगीतोत्सव आदि स्थानों पर भी सितार वादन की प्रस्तुतियां दी। पंडित जी ने भारत देश के अतिरिक्त विदेशों में भी 200 से अधिक कला प्रस्तुतियां दी है, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी, हॉलैंड, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जापान, चीन, इटली, हांगकांग, मलेशिया, सिंगापुर, मैक्सिको, मोरक्को, डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीड़न, बेस्निया, कोलंबिया, ग्वाटेमाला, पनामा, उजबेक्स्तान, कजाक्स्तान, किगिंस्तान, तुर्कमेनिस्तान इत्यादि शामिल है।

स्व. पंडित प्रतीक चौधुरी के प्रमुख व्यावसायिक कार्यक्रमों की उपलब्ध सूची

Programme	Raag	Place	Date/Duration	Tabla Accompanist
Sitar Recital	रागेश्वरी	नई दिल्ली	1990/58:47	उस्ताद शफात अहमद खान
Sitar Recital	रागेश्वरी	नई दिल्ली	1990/59:55	उस्ताद शफात अहमद खान
Sitar Recital	यमन (कल्याण)	कोलकाता	2007/1:18:31	पं. कुमार बोस
HCL Concert	झिंझोटी	नई दिल्ली	2012/50:20	उस्ताद अकरम खान
Sitar Recital	यमन (कल्याण)	नई दिल्ली	2013/50:20	उस्ताद अकरम खान
National Seminar	शुद्ध बिहाग	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	2013/24:00	श्री शुभ महाराज
Sitar Recital	रागेश्वरी	साका	2013/3:34	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
Sitar Recital, Shri Shri Ravi Shankar society	पूरिया धनाश्री	नोएडा	2014/30:33	श्री विभाकर चौधुरी
अभिनन्दन 80 जुगलबंदी (कत्थक और सितार)	मारू बिहाग	नई दिल्ली	2015/29:00	उस्ताद रफीतुदीन सावरी और पंडित फतेह सिंह
Sitar Recital	श्याम कल्याण	नई दिल्ली	8.7.2016/7:15	श्री विभाकर चौधुरी
Sitar Recital	यमन	नई दिल्ली	2016/13:14	अंशुलप्रताप सिंह
Haazri Concert	पूरिया कल्याण	नई दिल्ली	2016/3:45	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
Silsila Concert	श्याम कल्याण	नई दिल्ली	2.4.2016/2:39	श्री विभाकर चौधुरी
Sitar Recital, Hans Raj College	सारंग	जालंधर	2016/2:30	अशोक कुमार
Sitar Recital, Swami Vivekanand concert	ललित	नई दिल्ली	2017/58:02	उस्ताद सुखविन्द्र सिंह पिंकी
Sitar Recital by Sitar Maestro	यमन (कल्याण)	नई दिल्ली	2017/16:36	उस्ताद रफीदुद्दीन खां
उस्ताद आशिफ अली खा और एण्ड म्यूजिक चैरिटेबल ट्रस्ट	कौसी कान्हडा	नई दिल्ली	2017/8:40	उस्ताद अकरम खान
SAM Workshop (Isand)	सुरंग		2017/11:56	All Accompanish
String N Steps festival	शुद्ध सारंग	नई दिल्ली	2017/46:57	उस्ताद रफीदुद्दीन खां
Saptak Annual Festival	बिहाग	अहमदाबाद	2018/8:50	जाफर राशिद
Sitar racital, Swai Gandhav music festival	मारवा	पूणे	2018/1:18:19	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
केन्द्रीय विद्यालय बी.ई.जी.	ललित	पूणे	17.12.2018/52:32	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
UGSK Baithak	रागेश्वरी	नई दिल्ली	24.4.2018/18:04	उस्ताद रफीदुद्दीन खां
Sitar Recital	विश्वेश्वरी	लखनऊ	26.1.2019/1:35:03	पं. सोमनाथ मुखोपाध्याय
Sitar Recital	गुजरी तोडी	यू.पी.	25.1.2019	पं. सोमनाथ मुखोपाध्याय

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

Sitar Recital	शुद्ध सारंग	फतेहगढ यू.पी.	24.1.2019 35:50	पं. सोमनाथ मुखोपाध्याय
Sitar Recital	विश्वेश्वरी	रोहतक विश्वविद्यालय	11.1.2019/15:03	पं. सोमनाथ मुखोपाध्याय
Laxmi Institute of Architecture in Sarigam	प्लास सारंग	गुजरात	1.2.2019/43:35	पं. सोमनाथ मुखोपाध्याय
जीवन भारती स्कूल	मियां की तोडी	सूरत गुजरात	2.2.2019/55:01	पं. सोमनाथ मुखोपाध्याय
नाद फाऊंडेशन	पीलू	नई दिल्ली	20.2.2019/1:12:06	उस्ताद अकरम खान
संगीत पर कार्यक्रम	यमन	पटियाला	12.3.2019/3:40	सिमरनजीत सिंह
नोएडा सांस्कृतिक उत्सव	पूरिया धनाश्री	नोएडा	29.3.2019/35:39	श्री विभाकर चौधुरी
SPIC Macay	ललित	वाराणसी	16.4.2019/5:53	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
SPIC MACAY in Subeam School	प्लाससारंग	वाराणसी	18.4.2019/3:49	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
संकट मोचन फेस्टिवल	रागेश्वरी	वाराणसी	29.4.2019/1:08:02	श्री शुभ महाराज
श्री संकट मोचन संगीत समारोह	रागेश्वरी	वाराणसी	29.4.2019/1:07:55	श्री शुभ महाराज
Spiritual Musical Festival	झिंझोटी	नोएडा	18.5.2019/29:50	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
Aesthetics in Indian Music	झिझोटी, चारूकेशी, आनन्दकल्याण, पीलू	दिल्ली विश्वविद्यालय	2019/1:16:52	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
मास्टर तारा सिंह म्यूजिक फेस्टिवल	यमन (कल्याण)	पटियाला विश्वविद्यालय	2019/29:30	श्री जयदेव और मधुरेस भट्ट
Sitar Recital	वागेश्वरी	नई दिल्ली	2019/30:33	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
National Dhrupad Samaroh	मारवा	कोलकाता	20.12.2019/27:45	पण्डित पारिमल चक्रवर्ती
Distinguished Speaker Series	शुद्ध सारंग	नई दिल्ली	19.2.2020/ 6:12	उस्ताद राशीद जाफर
National Seminar	पीलू	नई दिल्ली	2020/1:32:20	श्री विभाकर चौधुरी
Sitar Recital	भैरवी	नई दिल्ली	2020/29:58	श्री विभाकर चौधुरी
Teen Peedhi Concert	बागेश्वरी	नई दिल्ली	2020/54:07	श्री विभाकर चौधुरी
स्वर अभिनंदन	विभिन्न गीतोंपर आधारित	नई दिल्ली	2020/1:06:53	उस्ताद राशीद जाफर
Facebook live	शुद्ध सारंग	नई दिल्ली	30.12.2020/1:21:28	पंडित सोवो हाजरा
AnuDhwani Art & Cultural Society	पूरिया धनाश्री	Live Concert	19.9.2020/1:40:30	उस्ताद राशीद जाफर
89 वां शो पंडित प्रतीक चौधुरी	Online Concert	नई दिल्ली	15.7.2020/22 36:00	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
Sarangi Cultural Academy	विश्वेश्वरी	नई दिल्ली	31.5.2020/1:15:02	Facebook Live
Teen Peedhi Concert	स्वानंदेश्वरी	नई दिल्ली	4 .मई	पंडित देबू चौधुरी मास्टर अधिराज चौधुरी
मातृवंदना	झिंझोटी, भैरवी, मिश्र पीलू	नई दिल्ली	2020/30:52	श्री विभाकर चौधुरी
हजरत सूफी इनायत खान म्यूजिक फेस्टिवल	शुद्ध बसंत	नई दिल्ली	29.3.2020/1:03:14	उस्ताद राशीद जाफर
त्रिवेणी आडीटोरियम	पूरिया धनाश्री	नई दिल्ली	3.2.2020/1:03:52	श्री विभाकर चौधुरी

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

श्याम प्रसाद कालेज फार वूमेन (वर्कशाप	यमन	नई दिल्ली	7.3.2020/1:30:52	उस्ताद रफीद्दीन साबरी
DD Bharti	बिहाग	नई दिल्ली	5.2.2020/30:00	उस्ताद अकरम खान
The world of Music	ललित	नई दिल्ली	14.11.2020/30:02	श्री अमृतेश शांडिल्य
सुर संध्या	यमन	कुरुक्षेत्र	2021/33:30	श्री विभाकर चौधुरी
Sitar Recital	ललित	नई दिल्ली	14.3.2021/3:40	उस्ताद रफीद्दीन साबरी

प्रतीक चौधुरी द्वारा प्रस्तुत कुछ प्रमुख कार्यक्रमों की सूची के अतिरिक्त भी आपने देश-विदेश में बडी संख्या में सफल कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी है।

पण्डित प्रतीक चौधुरी की वादन शैली की विलक्षणताएं

इनकी वादन शैली की प्रमुख विलक्षणताओं में भावपूर्ण आलाप, विशुद्ध एवं आकर्षक गत वादन, तान-तोडों की विविधता, सौन्दर्ययुक्त झाला वादन, लय और ताल पर विशेष प्रभुत्व, विस्तृत राग-बोध, श्रोताओं के मानसिक स्तर का ज्ञान, समर्पित संगीत साधक, कलापक्ष एवं भावपक्ष का उचित समन्वय, मुद्रा दोषमुक्त प्रदर्शन एवं मंच तकनीक ज्ञाता, संगतकारों के साथ उचित तारतम्यता इत्यादि शामिल है।

- जयपुर सेनिया घराने में मींड का प्रयोग गोलाई में किया जाता है, जिस कारण सितार में गूंज तथा मिठास उत्पन्न होती है, पंडित प्रतीक चौधुरी के सितार वादन में उक्त गुण देखने को मिलते हैं।
- उनकी सितार मे बीन अंग की झलक और जमजमा, खटका, मुर्की, कृंतन का अल्प प्रयोग, राग की शुद्धता मींड द्वारा स्वरों का सही प्रयोग करना आदि पंडित प्रतीक चौधुरी के वादन की विशेषता थी।
- किसी भी मात्रा से उठाकर सम पर सकुशलता पूर्वक आ जाना पंडित प्रतीक चौधुरी की विशेष खूबी थी।
- वे गत प्रारम्भ करने से पहले आलाप को राग की आत्मा मानते थे। इसलिए उनके आलाप वादन से श्रोताओ को आनन्द की अनुभूति होती थी।
- वे आलाप में विशेष प्रकार के कण तथा मींड का प्रस्तुतिकरण इस प्रकार से करते थे कि राग का स्वरूप साक्षात साकार हो जाता था।
- पंडित प्रतीक चौधुरी के गत वादन में गायकी अंग तथा तन्त्रकारी अंग विशेष तौर पर पर्याप्त रहता था।
- पंडित प्रतीक चौधुरी कठिन तालें जैसे झपताल, रूपक ताल, मत ताल, सूलताल आदि तालों में गत वादन करते थे।
- गत वादन करते समय अभूतपूर्व ढंग से सम पर आना, मिज़राव के एक आघात से 12 स्वरों को बजाना, कलात्मक तिहाइयों का निर्माण आदि प्रतीक चौधुरी की विशेषताएं थी।

"An evidenced by the flacent rippding tony, produced by him towards the close of the first get parteek can also play pretty rimidly without blurring the swass that more up the tonel passage has a feeling for rhythem too."[4] “Guru Nanak Dev University Appointed Dr. Parteek Chaudhuri as visiting fellow in the

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

Department of Music. His 7 days stay at our department was an asset for all of us as he exhibited tradition, expertise purity of style along with a treasure of tradition Bandish's. He visited department for many performances Including Malhar utsav with Guru's Ji. Parteek had a depth knowledge of his tradition and raga. He renowed an innovative Sitarist."[5] "Dr. Parteek Chaudhuri is an remarkable sitarist who has versatile and impressive playing style command over tala and purity of jaipur senia gharana tradition."[6] "I accompanied Parteek bhai at many stage performances. He has a unwatched command over mathamatics of tala a very humble artist who respected all co-artists."[7] 'डा. प्रतीक चौधुरी एक मंजे हुए सितार वादक रहे हैं। उनकी वादन शैली में बहुत सी विलक्षणताएं हैं जैसे आलाप की गंभीरता, प्राकृतिक प्रवाह, तोडों की चपलता, झाले की तैयारी, उनके अक्सन निधन से संगीत जगत को एक बहुत बडी क्षति हुई है।''[8]

विशेष पुरस्कार और सम्मान

पंडित प्रतीक चौधुरी को कला और सांस्कृतिक ट्रस्ट ऑफ इण्डिया की ओर से भारतीय शास्त्रीय संगीत के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'संगीत श्री पुरस्कार' मथुरा और वृंदावन के प्रतिष्ठित नायक बैजू बाबरा संगीत समिति द्वारा 'तंत्र श्रृंगार शिरोमणि' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वृंदावन में स्वामी हरिदास संगीत समारोह समिति से प्रतिष्ठित 'कला रत्न सम्मान', दिल्ली से 'संट्रग्स एन स्टेप्स ग्लोबल अवार्ड', दिल्ली से पण्डित 'निखिल बैनर्जी पुरस्कार', लखनऊ से 'स्वर्णवेणी रत्न पुरस्कार', दिल्ली से 'श्री रामपरम संगीत रत्न पुरस्कार', दिल्ली से 'शांति देवी गंगानी सम्मान', दिल्ली से 'जूम', दिल्ली टॉप 100 'मास्टर पीस अवार्ड', दिल्ली से 'रागरंजनी भूषण अवार्ड', दिल्ली से 'बेस्ट इंस्टरूमेटलिस्ट अवार्ड' और मुंबई से 'सुरमनी अवार्ड' आदि कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। पं. प्रतीक चौधुरी का नाम 'अमेरिकन बायोग्राफीज इंटल' में विश्व की प्रमुख हस्तियों में शामिल हैं। पण्डित प्रतीक चौधुरी को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी रेडियो के द्वारा "Top Grade" कलाकार के रूप में स्थान दिया गया। आपके व्यक्तित्व में एक कलाकार, शिक्षक, विचारक एवं प्रचार के सभी गुण समाविष्ट हैं। एक संगीतकार होने के नाते प्रतीक चौधुरी ने भारत और विदेश में फ्यूजन कॉन्सर्टस, वर्ल्ड एंड क्रॉसओवर म्यूज़िक, कर्नाटक म्यूज़िक और जुगलबंदी कॉन्सर्टस के साथ सफलतापूर्वक खोज और प्रयोग करने के बाद सफलता प्राप्त की। उन्होंने कई प्रतिष्ठित कलाकारों, संगीत के रूपों और दुनियां के विभिन्न भागों के कलाकारों के साथ संयोजन के साथ अत्यधिक सफल संगीत कार्यक्रम दिए है:.

- प्रसिद्ध जैज कीबोर्ड प्लेअर और भारत के प्रसिद्ध ड्रमर और पर्क्यूसिनिस्ट शिवमणि के साथ।
- जापान के प्रसिद्ध एयूएन समूह के श्योही और कोहेई के साथ एक शानदार संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
- प्रतीक ने न्यूयार्क, यू.एस.ए के प्रसिद्ध सेक्सोफोन खिलाड़ी डेव पिएत्रों के साथ भी प्रदर्शन किया है।
- पं. प्रतीक चौधुरी ने हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ कर्नाटकी संगीत का भी अपने वादन में कुशलतापूर्वक प्रयोग किया।

मृत्यु

''सन् 6 मई 2021''[9] (अपने पिता की मृत्यु के पांच दिन पश्चात्) में दुर्भाग्यवश कोरोना बीमारी से ग्रस्त होने के पश्चात् अपनी पत्नी रूना चौधुरी, बेटी रायना चौधुरी और बेटा अधिराज चौधुरी को छोड़कर वे इस संसार को छोड़कर चले गए। पंडित जी अपनी उत्कृष्ट कला साधना, घरानेदारी विशुद्ध परम्परा, व्यक्तित्व गुणों एवं विलक्षणताओं के लिए संगीत जगत में सदैव अमर रहेंगे।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June, 2023
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2023

निष्कर्ष

पण्डित प्रतीक चौधुरी अत्यंत अनुशासित व कला को समर्पित परिश्रमी कलाकार थे। उन्होंने अपने अंतिम समय तक संगीत की सेवा की तथा विश्वभर के देशों में सितार वादन प्रस्तुत कर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का खूब प्रचार किया। अपने पिता पदमभूषण पं. देबू चौधुरी जी की तरह सेनिया घनाने की समृद्धशाली परंपरा को संजोए रखने में उन्होंने भी अपनी विलक्षण भूमिका निभाई है। उनकी मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्र अधिराज चौधुरी एवं शिष्यगण इस परंपरा को संजोए रखने में अग्रणी होकर कार्यरत हैं।

संदर्भ

1. https://en.m.wikipedia.org/wiki/Prateek_Chaudhuri
2. https://music.du.ac.in/professor/prateek-chaudhuri.php
3. https://www.isbns.net/author/Prateek_Chaudhuri
4. पण्डित प्रतीक चौधुरी पर श्रुति जी द्वारा लिखित सूचना
5. प्रो. (डॉ.) गुरप्रीत कौर से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
6. श्री सिद्धार्थ चैटर्जी से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
7. डा. हरमीत सिंह से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
8. डा. पिंयंका अरोड़ा से किए गए साक्षात्कार से उद्धृत सूचना
9. https://en.m.wikipedia.org/wiki/Prateek_Chaudhuri